कार्तिक, पक्ष - कृष्ण, तिथि - द्वितीया, संवत 2083 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-37, 11 नवम्बर - 17 नवम्बर, 2026 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- पृष्ठ : 8 साप्ताहिक

जागरूक जनता

।। शुभ दीपोत्सव ।।

सनातन के जीवंत साक्षात प्रमाण दीपों का उत्सव

दीपावली की पांच दिवसीय पर्व श्रृंखला के पहले पर्व त्रयोदशी को आयुर्वेद के जनक आचार्य धन्वंतरि की जयंती मनाई जाती है। सागर मंथन के दौरान इसी दिन अमृत घट लेकर आयुर्वेद के जनक आचार्य धन्वंतरि प्रकट हुए थे। स्कंद पुराण के अनुसार त्रयोदशी की संध्या में यमदीप दान के उपरान्त मां लक्ष्मी व कुबेर की पूजा के साथ आचार्य धन्वंतरि का पूजन अनुष्ठान किया जाता है। वैद्यगण इस दिन उनसे प्रार्थना करते हैं ताकि उनकी औषधियां आरोग्य प्रदायक हो सकें। इसके अगले दिन नरक-चतुर्दशी को पितरों को दीपदान दिया जाता है। तीसरे दिन महानिशा यानी अमावस्या की रात्रि में दीपोत्सव मनाया जाता है, दीपोत्सव के बाद आने वाली प्रतिपदा प्रारंभ में नवान्न-पूजा का पर्व थी जो बाद में अन्नकूट-पूजा में परिवर्तित हो गई।

सटीक



शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

इसके अगले दिन कार्तिक शुक्ल को भाईदूज के दिन बहनें भाई को मंगल तिलक कर उनके कल्याण और दीर्घायु की प्रार्थना करती हैं। लोक परम्परा में दीपावली की रात को मुख्य रूप से लक्ष्मी व गणेश के संयुक्त पूजा का विधान है। इसके पीछे मूलतः समृद्धि एवं सद्बुद्धि दोनों की आराधना के साथ श्रेष्ठ मूल्यों एवं आदर्शों की स्थापना का दिव्य भाव निहित है। लक्ष्मी समृद्धि, विभूति एवं सम्पत्ति की देवी हैं और गणपति सदबुद्धि एवं सद्ज्ञान के सर्वसमर्थ देवता। अनेकानेक प्रेरक प्रसंगों से जुड़ा दीपावली का महापर्व श्रेष्ठ जीवनमूल्यों एवं आदर्शों के प्रति संकल्पित होने का शुभ अवसर प्रदान करता है। मगर आत्म आलोक का यह महापर्व आज मात्र देवपूजन के वाह्य कर्मकांड तथा वैभव के प्रदर्शन तक सिमट गया है। पर्व की आलोकपूर्ण प्रेरणाएं लोगों के अंतस को जागृत नहीं करतीं। इस ज्योतिपर्व पर आत्मावलोकन करें तो पाएंगे कि ऋषियों की अमूल्य परंपराओं को विस्मृत करने का खमियाजा हम सब भुगत रहे हैं। हम हंसना भूल गए हैं। दीप हमारी आस्था के सबसे सनातन प्रमाण हैं। वैदिक काल से वर्तमान तक दीपकों के दिव्य आलोक में हम इस उत्सव का अनुष्ठान करते आए हैं। पद्म पुराण के अनुसार वामन रूपधारी भगवान विष्णु ने जब दैत्यराज बलि से संपूर्ण धरती लेकर उसे पाताल लोक जाने को विवश दिया तो भक्त बलि ने उनसे निवेदन किया कि भगवन! धरती लोक के कल्याण के लिए मेरी आपसे यह विनती है कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी से लेकर अमावस्या के तीन दिनों तक जो प्राणि मृत्यु के देवता यमराज तथा श्री-संपदा की अधिष्ठात्री मां लक्ष्मी के नाम से दीपदान करें; उसे यम की यातना कभी न मिले और उसका घर श्री-संपदा से सदैव आपूरित रहे। दीपोत्सव की परम्परा का शुभारम्भ तभी से माना जाता है। महाभारत के अनुसार पांडवों का 12 वर्षों का वनवास व एक वर्ष का अज्ञातवास पूरा होने पर उनके आगमन के उपलक्ष में भी दीपोत्सव मनाया गया था।

गोवर्धन पूजा पर्व : श्रीनाथजी मंदिर में भी की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुकुट मुखारविन्द मंदिर में किया अभिषेक

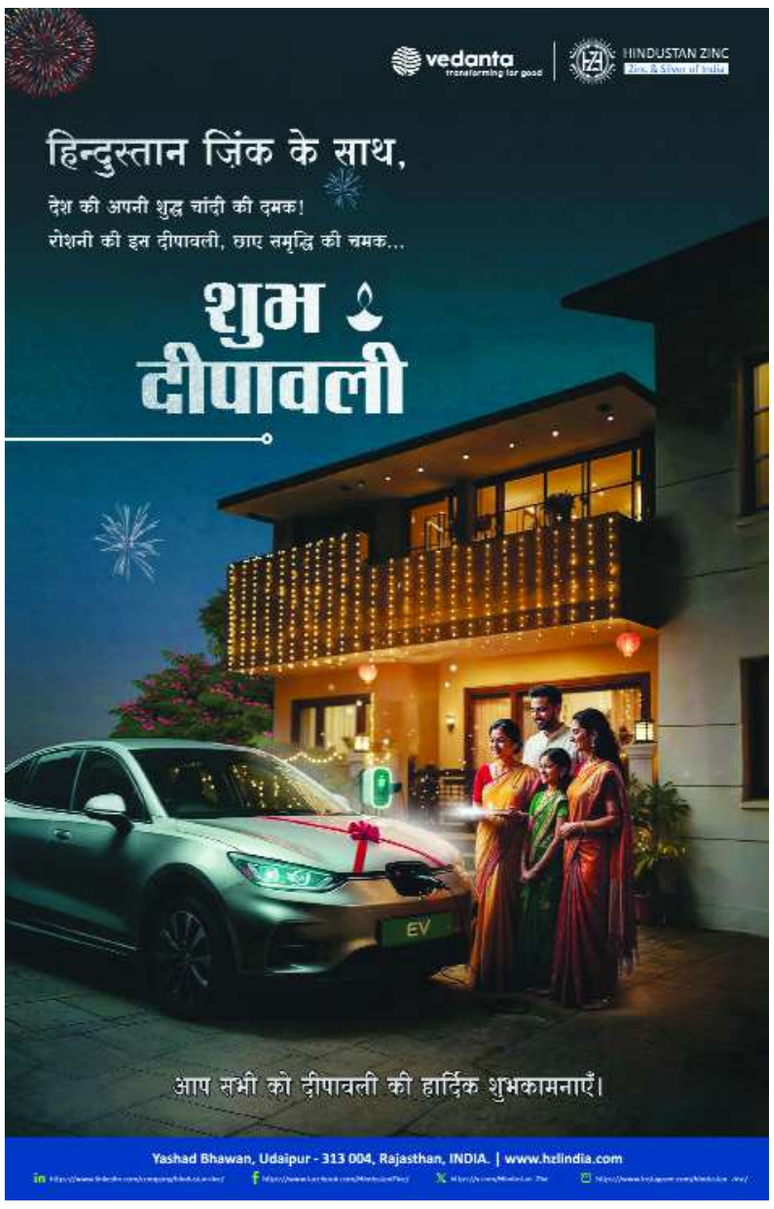
जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net



डीग/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर डीग जिले के पूंछरी का लौठा स्थित मुकुट मुखारविन्द मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना और अभिषेक कर प्रदेश एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री पैदल ही श्रीनाथजी मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से दिवाली की रामा-श्यामा की और दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने श्रीनाथजी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक बहादुर सिंह कोली, शैलेश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

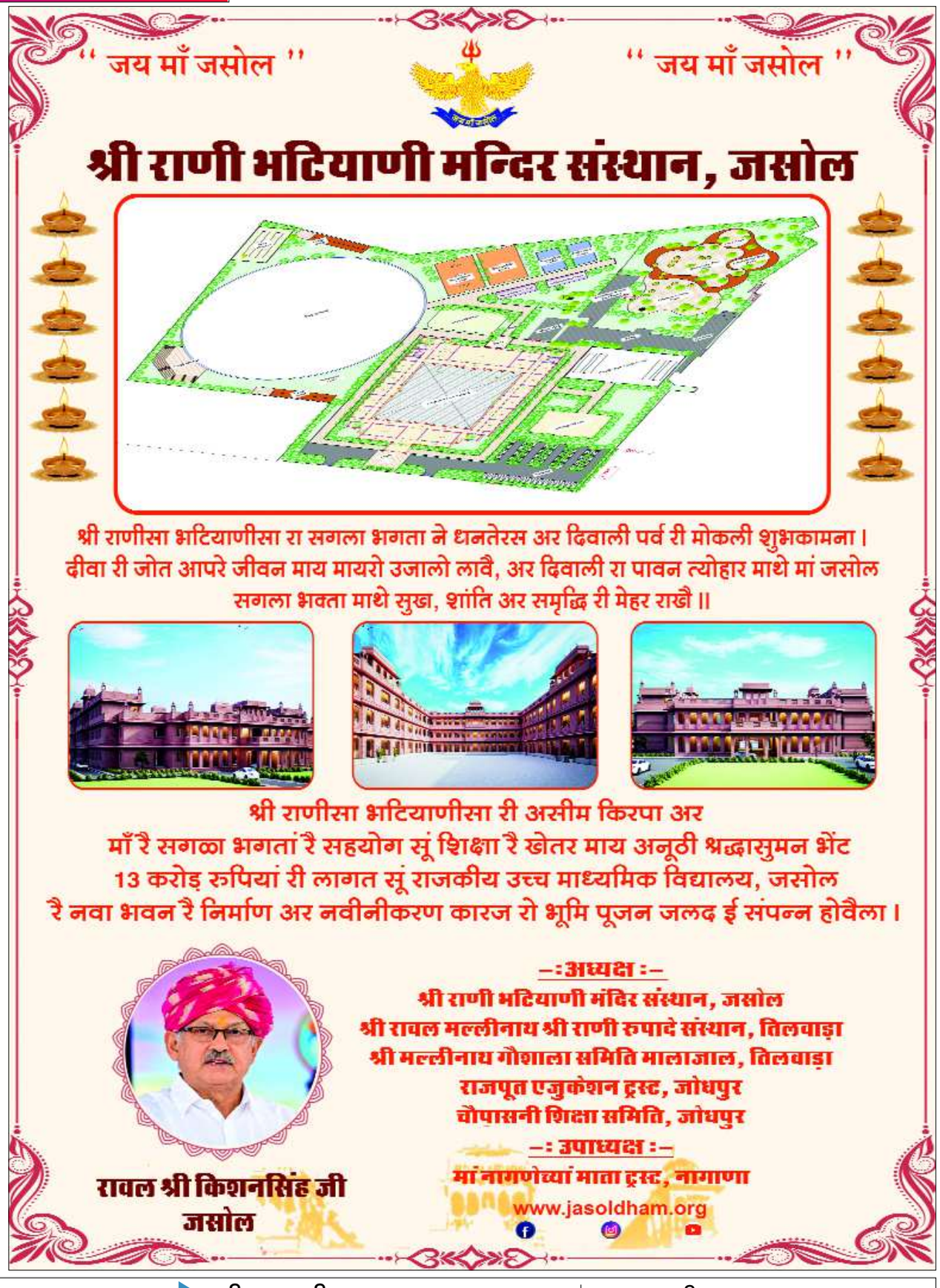
मुख्यमंत्री ने दीपावली पर आमजन के बीच पहुंचकर दी शुभकामनाएं, सांगानेरी गेट से न्यू गेट तक पैदल घूमकर देखी बाजार की सजावट

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली के अवसर पर परकोटा पहुंचकर आमजन से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चों, महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। रास्ते में जगह-जगह पर आमजन ने हाथ जोड़कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलार कर चॉकलेट दी, युवाओं से हाथ मिलाया तथा सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान जयपुर नगर निगम के महापौर सुनील कोठारी, पार्षद पुनीत कर्नावट सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।









शुभ दीपावली

धन तेरस दीपावली व देव दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं

Tandoori Bites



Prop: Ramesh K. Bhambhani
Mount Abu (Raj.) Mo- 941420455, 9950739922
Ph: 02974-235448, rumty@yahoo.co.in

दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं



Member ofthe Managing Committee,
Principal, Staff & stundents of

ST. JOSEPH'S SEC. SCHOOL

ENGLISH MEDIUM

(Recognised by Govt of Rajasthan) &
Affiliated to secondary board of Rajasthan, Ajmer
Will Qualified Teacher for all the Subjects.
Mob: 9571812105, 9588019669
E-mail: sjsmtabu@gmail.com

देव दीपोत्सव एवं लाभ पंचमी
की हार्दिक शुभकामनाएं

Shree Abu Restaurant



Mo.-9414356458
Taxi Stand, Mount Abu Anil Transport, Sadar Bazar

दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

एस. किशन
मो.-9413373110
9950153292

श्री बालाजी बोरवेल्स & जेसीबी

स्पेशलिस्ट
4½, 6½ व 8 बोर एवं कुओं में आदा
व खड़ा बोर तथा घरों में हैण्डपम्प



जेसीबी किराये हेतु सम्पर्क करें
पंचायत समिति के पास, सिरोही रोड, पिंडवाड़ा, सिरोही



Havemor

Shobhit Shighal

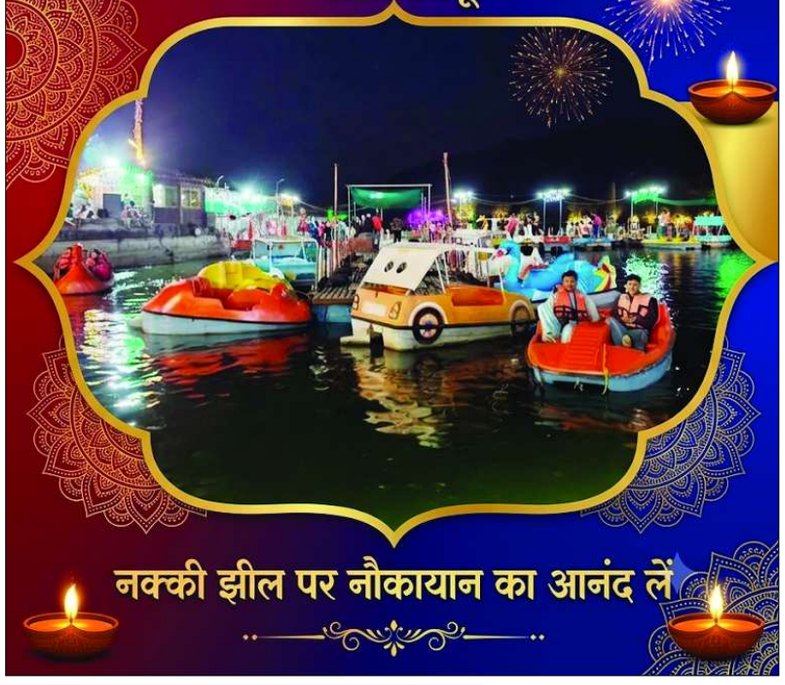
देव दीपोत्सव एवं लाभ पंचमी
की हार्दिक शुभकामनाएं

दीपोत्सव व लाभ पंचमी
की हार्दिक शुभकामनाएं

सतगुरु क्रैडिट
कॉपरेटिव सोसायटी
रविन्द्र सिंह
जनरल मैनेजर
माउंट गैस एजेंसी के पीछे, आबू पर्वत

'दीपोत्सव और लाभ पंचमी'
की हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ-लाभ

Nakki Naukayan
रिद्धि-सिद्धि नौकायन
माउंट आबू



नक्की झील पर नौकायान का आनंद लें

HAPPY
Diwali

St Rajeshwar
Sec School



Mohar Singh
Principal
Mo- 7568191816

Bhuraram Choudhary
Trustee - Edu-Committee
Mo-9414208862

Mount Abu Near STC Diet
Delwara Road

HOTEL
HG GRANDIOSE
MOUNT ABU
More Than a Stay... It's an Experience

Wishing You & Your Family a
Happy Diwali

Celebrate Diwali
with Comfort,
Luxury & Warmth

May this **Festival of Lights**
bring happiness, prosperity,
and new beginnings to your life.



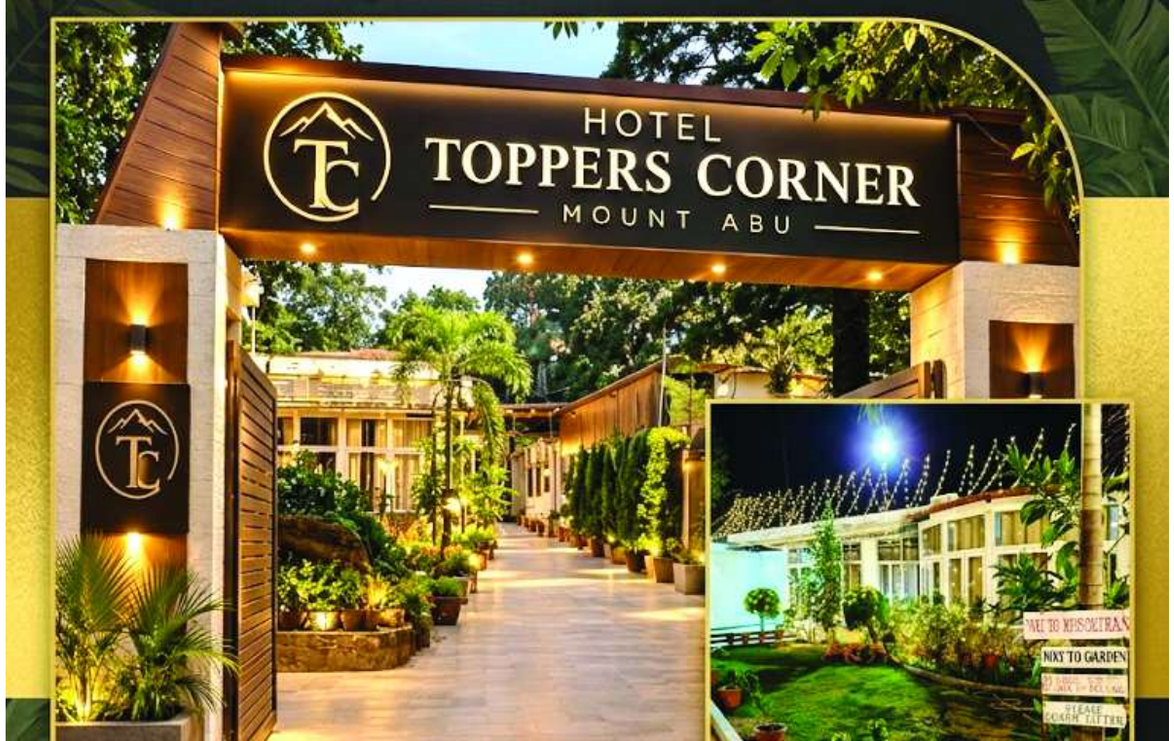
LUXURIOUS ROOMS (Relax In Elegance)
ELEGANT AMBIENCE (Perfect for Every Occasion)
EXQUISITE DINING (Delightful Flavours)
PRIME LOCATION (Close to Nature, Away from Stress)
PREMIUM FACILITIES (Your Comfort Our Priority)
IDEAL FOR (Family Getaways | Corporate Stays | Special Celebrations)

Book Your Diwali Getaway
AT HOTEL HG GRANDIOSE, MOUNT ABU

Ph: +91 9772204595 email@hggrandiose.com www.hggrandiose.com

HOTEL
TOPPERS CORNER
MOUNT ABU

Stay • Relax • Explore



Opposite St. Mary School,
Mount Abu, Rajasthan

GAURAV DAS
Ph: +91 9928400300

Email: info@hoteltopperscorner.com
Visit Us: www.hoteltopperscorner.com

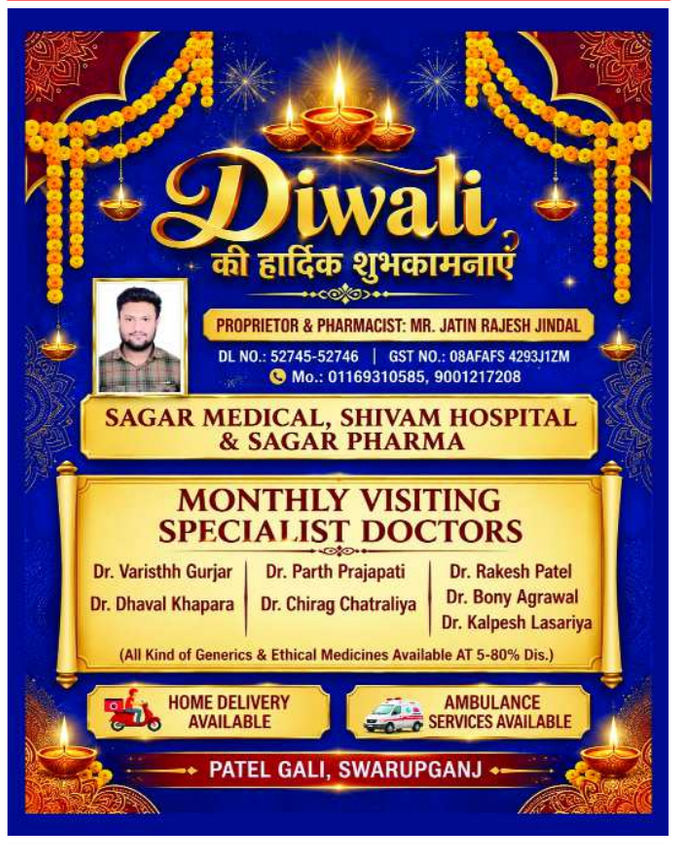




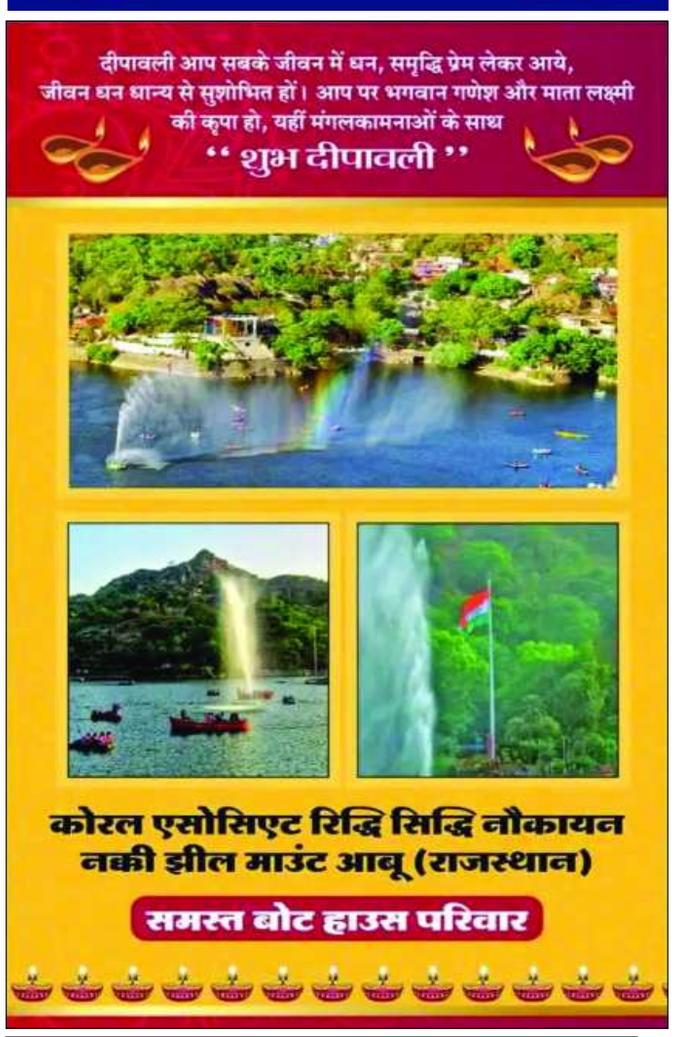


















कर चोरी एवं अनियमित कारोबार पर राजस्थान के कर विभाग का बड़ा प्रहार

20 प्रतिष्ठानों पर सर्वे एवं जांच की कार्रवाई, करीब 2.35 करोड़ रुपये की स्वैच्छिक कर जमा एवं आईटीसी रिवर्सल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की कर चोरी के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कर विभाग द्वारा प्रदेशभर में कर अपवंचन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विभाग की विभिन्न टीमों ने अक्टूबर माह के आखिरी सप्ताह में प्रदेश के जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, जोधपुर, पाली, ब्यावर, अलवर, किशनगढ़ एवं अन्य क्षेत्रों में 20 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सर्वे एवं जांच की कार्रवाई की। इन कार्रवाइयों के दौरान करदाताओं द्वारा करीब 2.35 करोड़ रुपये की स्वैच्छिक जमा एवं इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) रिवर्सल किया गया है।कर विभाग द्वारा ऐसे व्यापारिक प्रतिष्ठानों को विशेष रूप से जांच के दायरे में लिया गया, जहां वास्तविक कारोबार की तुलना में कम कर भुगतान, इनपुट टैक्स क्रेडिट पर अत्यधिक निर्भरता, बिना बिल माल की खरीद-बिक्री, स्टॉक में अंतर, बिक्री छिपाने तथा अपात्र आईटीसी का लाभ लेने जैसी अनियमितताओं की सूचनाएं प्राप्त हुई थीं।

बिना बिल खरीद-बिक्री एवं स्टॉक में अनियमितता पर कार्रवाई

जयपुर के झोटवाड़ा स्थित मेसर्स महावीर ग्लास एंड एल्युमिनियम वर्क्स में स्टॉक एवं आवक-जावक संबंधी अनियमितताओं की जांच के दौरान फर्म द्वारा 10 लाख रुपये एसजीएसटी एवं सीजीएसटी के रूप में जमा करवाए गए। भीलवाड़ा के मेसर्स राज सेल्स में रेडीमेड गारमेंट्स के कारोबार में बिना उचित बिलिंग के खरीद-बिक्री एवं आईटीसी संबंधी अनियमितताओं की जांच में 10.60 लाख रुपये जमा एवं रिवर्स करवाए गए। अजमेर के किशनगढ़ स्थित पद्मावती गोल्ड में बुलियन एवं ज्वैलरी कारोबार में अपात्र आईटीसी तथा टर्नओवर छिपाने की आशंका पर कार्रवाई के दौरान 28 लाख रुपये जमा करवाए गए। वहीं, यूनिक एनएक्स में रेडीमेड गारमेंट्स के कारोबार में टर्नओवर छिपाने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 7.50 लाख रुपये एसजीएसटी कैश लेजर में जमा करवाए गए।

सम्पादकीय

डिजिटल निगरानी से उर्वरक सब्सिडी में सुधार की उम्मीद

उर्वरक सब्सिडी का बोझ बढ़ने की आशंकाओं के बीच 2026 के खरीफ सीजन के दौरान चुनिंदा सीमावर्ती जिलों में उर्वरकों की बिक्री में दर्ज की गई 37.56 प्रतिशत की गिरावट राहत देने वाली खबर है। यह गिरावट उर्वरक खरीद के लिए डिजिटल सत्यापन व्यवस्था लागू किए जाने के बाद दर्ज की गई है। इस व्यवस्था के अंतर्गत एग्रीस्टैक और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उर्वरक खरीद को किसानों की आईडी, भूमि रिकॉर्ड और फसल की जरूरतों से जोड़ा गया है। सब्सिडी वाले यूरिया का औद्योगिक उपयोग और सीमा पार तस्करी चिंता का विषय रहे हैं। उर्वरकों की बिक्री में आई यह गिरावट सब्सिडी के दुरुपयोग और रिसाव के संभावित पैमाने का नया संकेत देती है। इसकी वजह कीमतों में भारी अंतर है। भारत में किसानों को 45 किलोग्राम यूरिया बैग लगभग 265 रुपये में दिया जाता है जबकि सितंबर में इसकी अनुमानित आयात सहित लागत 1,674 रुपये थी। इसका बड़ा राजकोषीय प्रभाव भी है। वित्त वर्ष 2026-27 का उर्वरक सब्सिडी का बजट आवंटन लगभग 1.71 लाख करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2025-26 में भी उर्वरक सब्सिडी पर खर्च बढ़कर अनुमानित 2.11 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह 1.68 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से 26 प्रतिशत और 1.86 लाख करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से 13.4 प्रतिशत अधिक है। केंद्र सरकार की ओर से शुरू किया गया उर्वरक बिक्री ढांचा एक स्वागतयोग्य पहल है। इसके तहत उर्वरक की खरीद पूरी होने से पहले किसान की डिजिटल पहचान और सत्यापित भूमि रिकॉर्ड को फसल की जरूरतों से जोड़ा जाता है। मौजूदा एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली के साथ मिलकर यह ढांचा असामान्य खरीद पैटर्न की पहचान करने, जिला स्तर पर उर्वरकों की खपत पर निगरानी रखने और सब्सिडी के वितरण को तर्कसंगत बनाने में मदद कर सकता है। पायलट परियोजना में शामिल जिलों में उर्वरकों की बिक्री में गिरावट संकेत देती है कि इस व्यवस्था के संभावित लाभ सीमावर्ती क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं हैं। उर्वरकों की बिक्री में आई गिरावट का आकलन करते समय इस वर्ष फसल चक्र में बदलाव और कम बारिश जैसे कारकों को भी ध्यान में रखना होगा। यह भी देखना होगा कि डिजिटल सत्यापन वास्तविक किसानों को सुविधा से वंचित न कर दे। पट्टे पर खेती करने वाले किसान, बटाईदार और ऐसे लोग जो अधूरे या विवादित भूमि रिकॉर्ड वाली जमीन पर खेती कर रहे हैं उनके लिए पात्रता साबित करना मुश्किल हो सकता है। चूंकि जमीन का मालिकाना हक और उस पर खेती करने वाला व्यक्ति हमेशा एक ही नहीं होते इसलिए उर्वरक की उपलब्धता को भूमि रिकॉर्ड से बहुत अधिक जोड़ने पर व्यवस्था के समावेशी स्वरूप के प्रभावित होने का खतरा है। उद्देश्य यह होना चाहिए कि सब्सिडी का लाभ सही लोगों तक पहुंचे लेकिन इसके लिए किसी आवश्यक कृषि इनपुट की उपलब्धता को भूमि रिकॉर्ड पूरी तरह दुरुस्त होने की शर्त से न बांधा जाए। बुनियादी बात यह है कि बेहतर निगरानी से भारत की उर्वरक नीति के असंतुलन दूर नहीं हो सकते। यूरिया पर भारी सब्सिडी है जबकि फॉस्फेट और पोटाश वाले उर्वरक अपेक्षाकृत महंगे हैं। इससे किसान अन्य आवश्यक पोषक तत्वों की तुलना में नाइट्रोजन का अत्यधिक इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का नाइट्रोजनः फॉस्फेटःपोटाश उपभोग अनुपात 9.3:3.5:1 रहा, जबकि कृषि विज्ञान के लिहाज से 4:2:1 का अनुपात उपयुक्त माना जाता है। इस असंतुलन का असर मिट्टी की सेहत, पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता और समग्र कृषि उत्पादकता पर पड़ता है।

AI से बढ़ते साइबर हमले व दो युद्धों के बीच वैश्विक संपदा पर खतरा, भारत को अभी से सतर्क होना होगा



चेतेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

यूरोप में बिखराव बढ़ रहा है और हर जगह राजनीतिक मध्य मार्ग पर चलने वाली ताकतें वामपंथ और दक्षिणपंथ की ताकतों के मुकाबले कमजोर पड़ रही हैं। पुरानी तथाकथित 'उदारवादी' व्यवस्था अब अपनी पूर्व छाया मात्र रह गई है और धीरे-धीरे एक विकृत रूप धारण करती जा रही है। जो भी उदार लोकतंत्र वामपंथ या दक्षिणपंथ को पूरी तरह खारिज करने की कोशिश करेगा वह अंततः उस व्यावहारिक मध्य मार्ग को भी खत्म कर देगा, जहां समझौते की गुंजाइश होती है।

दिवंगत जनरल विपिन रावत ने कहा था कि सशस्त्र बलों को दो मोर्चों के नहीं बल्कि ढाई मोर्चों से उत्पन्न जोखिम से निपटने की तैयारी रखनी होगी। वह जिस आधे मोर्चे की बात कर रहे थे वह देश की एकता और अखंडता को आंतरिक खतरे से ताल्लुक रखता था। अब वह आधा मोर्चा केवल उपमहाद्वीप तक सीमित नहीं है। अब यह यूरोप के प्रमुख देशों के सामने आ खड़ा हुआ है और भविष्य में शायद अमेरिका को भी अपनी चपेट में ले सकता है। फ्रांस, इटली, स्पेन, अल्बानिया और दुनिया के अन्य देशों से ऐसे ही संकेत मिल रहे हैं। केवल तानाशाही वाले देश या एकल संस्कृति वाले देश ही आंशिक रूप से इस खतरे से सुरक्षित हैं। अगर डॉनल्ड ट्रंप का दल नवंबर का मध्यावधि चुनाव हार जाता है तो अमेरिका को खुद एक नए आधे मोर्चे से जूझना होगा।

आधे मोर्चे से पैदा होने वाले खतरे केवल दिखाई देने वाले खतरों तक ही सीमित नहीं हैं। अब हमें अदृश्य खतरों को भी इसमें शामिल करना होगा। इनमें आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) से संचालित साइबर अपराध और धोखाधड़ी का खतरा, दुष्प्रचार और एआई से तैयार फर्जी कंटेंट के जरिए छोटी आंतरिक समस्याओं को बड़े संकट में बदल देने का खतरा और तेजी से हो रहे तकनीकी सुधारों के कारण नौकरियों पर मंडराता खतरा शामिल है। एआई के समर्थक जानबूझकर हमें केवल इसके फायदे दिखाकर इन संभावित खतरों को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। जब बड़े पैमाने पर नौकरियों पर असर पड़ने लगेगा, तो भारत और कई अन्य देशों के लिए यह आधा मोर्चा बाहरी खतरों से भी अधिक आक्रामक हो जाएगा। हमें उन कर्जों को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए जिन्हें कई यूरोपीय देश जैसे ग्रीस, इटली, फ्रांस और कुछ बड़ी एआई कंपनियां भी गलत तरीके से संभाल रही हैं। ये कंपनियां और देश ऊंची ब्याज दर पर भारी मात्रा में कर्ज ले रहे हैं। यह कर्ज खरबों डॉलर तक पहुंच चुका है। ऐसे में बॉन्ड या शेयर बाजार में होने वाली कोई भी बड़ी गिरावट बड़े पैमाने पर संपदा के विनाश का सिलसिला शुरू कर सकती है। पिछले दिनों एक साइबर हमले में भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहकों की



जानकारी लीक होकर डार्क वेब पर नजर आई। एचडीएफसी बैंक भी गोपनीय डेटा लीक की जांच कर रहा है। बेंगलुरु की एक साइबर सुरक्षा कंपनी ईमुद्रा ने कमजोर क्रिप्टोग्राफिक कुंजियों का इस्तेमाल किया जिसके चलते फर्जी डिजिटल सर्टिफिकेट्स को इजाजत मिलने की आशंका है। यूरोप की सरकारी वेबसाइटों में एआई ने पीएचपी प्रोग्रामिंग लैंगुएज संबंधी गड़बड़ी उजागर की। एक चीनी भाषी हैकर ने एआई एजेंट की मदद से करीब 100 वेबसाइट हैक कीं और जापान ने साइबर अटैक से 1.4 करोड़ लोगों और 600 सरकारी और कॉरपोरेट संस्थाओं की जानकारी उजागर होने के बाद साइबर आपातकाल घोषित किया।

एआई आधारित साइबर और अन्य संभावित हमले भारत में भी जोखिम को और बढ़ा रहे हैं। देश का सर्वोच्च साइबर सुरक्षा संस्थान कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सर्ट-इन) बैंकों, कंपनियों और नागरिकों को कई सलाह जारी करता रहा है कि कैसे हमारे सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर सिस्टम सुरक्षित नहीं हैं लेकिन बड़ी संख्या में हमारे कारोबार और नागरिक इससे अनजान हैं। हमें तत्काल ठोस कदम उठाने की जरूरत है। वैसे ही जैसे जापान ने साइबर आपातकाल घोषित किया। ऐसा करने पर कारोबार जगत के आत्मविश्वास पर तात्कालिक रूप से नकारात्मक असर होगा लेकिन यह सुरक्षा के लिए जरूरी है। चुप्पी हम पर भारी पड़ेगी। उदाहरण के लिए बैंकिंग व्यवस्था के किसी बड़े संस्थान पर ऐसा साइबर हमला हो सकता है जो उसे बुरी तरह पंगु बना दे। लेकिन एक निम्न-मध्यम आय वाला देश होने के नाते भारत किसी बड़े वित्तीय या आर्थिक संकट को झेलने की स्थिति में नहीं है। न ही वह सड़कों पर होने वाले ऐसे विरोध प्रदर्शनों का जोखिम उठा सकता है जो नियंत्रण से बाहर हो जाएं। यहां तक कि वास्तविक और जायज मुद्दों पर होने वाले विरोध प्रदर्शनों को भी दुर्भावनापूर्ण साइबर तत्व हवा दे सकते हैं। इससे असामाजिक तत्व उनमें शामिल हो सकते हैं और संपत्ति तथा कारोबार को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यूरोप में ऐसा हो रहा है।

ऐसा तब है जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश भी दो युद्धों को समाप्त करने में असमर्थ हैं। इन युद्धों के कारण कमजोर और आर्थिक रूप से असुरक्षित तबकों के लिए जीवनयापन की लागत बढ़ रही है। इससे घरेलू स्तर पर मौजूद आंतरिक मोर्चों पर अस्थिरता और बढ़ेगी। समय ऐसा नहीं है जब कोई देश उदारवाद के नाम पर सड़क पर होने वाले विरोध प्रदर्शनों को तवज्जो दे क्योंकि ये आगे चलकर गंभीर हालात में बदल सकते हैं। सभी घटनाओं को एक साथ देखने पर निम्न निष्कर्ष सामने आते हैं। पहला, हम वैश्विक स्तर पर संपदा के बड़े पैमाने पर विनाश के ऐसे चक्र को शुरू करने से महज कुछ दूरी पर हैं जिसका असर 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट से भी कहीं अधिक व्यापक होगा। दूसरा, यदि हम सड़कों पर बिगड़ते हालात को और खराब होने देते हैं तो नौकरियों और आजीविका पर मंडराते खतरे इस गिरावट को और तेज कर देंगे। भारत और दुनिया के लिए संदेश स्पष्ट है। पहला, संवाद और मजबूत निवारक कार्रवाई के जरिए घरेलू स्तर पर मौजूद आंतरिक मोर्चे की समस्याओं को सुलझाया जाए और तनाव कम किया जाए। इनमें से कोई भी उपाय दूसरे का विकल्प नहीं है, दोनों जरूरी हैं। दूसरा, दोनों युद्धों को समाप्त किया जाए भले ही इसके लिए उनके मूलभूत विवादों का समाधान फिलहाल न हो पाए। तीसरा, वैश्विक संस्थाओं में सुधार की प्रक्रिया शुरू की जाए। जरूरत पड़ने पर मौजूदा संस्थागत ढांचे से बाहर भी ऐसी विश्वसनीय व्यवस्थाएं बनाई जाएं जिन्हें दो सबसे बड़ी शक्तियां स्वीकार करने को तैयार हों या न हों। चाहे संयुक्त राष्ट्र हो, विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष या विश्व बैंक, यह स्पष्ट है कि पश्चिमी देशों का वैश्विक वर्चस्व अब समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। यहां तक कि पश्चिमी देश भी अब इन मुद्दों पर एकमत नहीं हैं।

श्रीराम हमें देख रहे हैं!

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net



अभिलाष मोदी
शिक्षा विद्
@jagrukjanta.net

एक समय था, जब हमारे बुजुर्ग अक्सर कहा करते थे कि जब भी जीवन में कोई कठिन परिस्थिति आए या किसी समस्या का समाधान समझ न आए, तो मन में एक विचार आता है कि यदि आज हमारे माता-पिता हमारे बीच होते, तो वे इस परिस्थिति को कैसे संभालते? वे क्या निर्णय लेते और हमें क्या सलाह देते? शायद इसका कारण यह था कि हम उनके अनुभव, समझ और जीवन जीने के तरीके पर भरोसा करते थे।

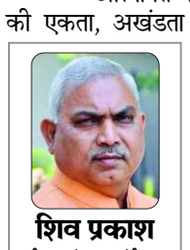
समय बदला और जीवन की परिस्थितियां भी बदलती गईं। धीरे-धीरे हमारा ध्यान बाहरी सुविधाओं और दिखावे पर अधिक केंद्रित होने लगा। मकान बड़े और आलीशान होने लगे, कपड़े और पहनावे पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा। हम कैसे दिखते हैं, हमारी कितनी पहचान है, हमारे पास कितना पैसा और कितना प्रभाव है, इन बातों का महत्व बढ़ता गया। यहां तक कि त्योहार भी आत्मीयता और आनंद के अवसर होने के बजाय तस्वीरें खिंचवाने, दिखावा करने और कभी-कभी अधिक धन कमाने के अवसर बनकर रह गए।

इस बदलाव के बीच कहीं न कहीं हम उन लोगों और उनके विचारों से भी दूर होते गए, जिन्हें याद करके हम अपने जीवन के फैसलों पर दोबारा विचार कर सकते थे। हालांकि, आज भी हमारे जीवन में ऐसे लोग मौजूद हैं, जिनके बारे में हम सोचते हैं कि यदि वे हमारी जगह होते, तो इस परिस्थिति को कैसे संभालते? हमें लगता है कि शायद वे हमारी तुलना में अधिक धैर्य, स्पष्टता और समझ के साथ निर्णय ले पाते। वे सही शब्दों, सही भावनाओं और सही मानसिक स्थिति के साथ समस्या का समाधान निकाल सकते थे। लेकिन क्या कभी हमने यह सोचा है कि जिस तरह हम अपना जीवन जी रहे हैं, हमारे त्योहारों, विवाह समारोहों, जन्मदिनों और दूसरे उत्सवों का जो स्वरूप बनता जा रहा है, उसे देखकर कोई वास्तव में समझदार व्यक्ति क्या सोचता होगा? इसका एक बहुत सरल तरीका है। हम अपने किसी भी काम को इस दृष्टि से देखें कि यदि यही काम दुनिया के अधिकतर लोग करने लगें, बार-बार करने लगें, तो क्या इससे धरती पर रहने वाले परिवारों का जीवन बेहतर होगा? क्या इससे प्रकृति स्वस्थ रहेगी? क्या इससे समाज में सुख, शांति और समृद्धि बढ़ेगी? हम सभी के भीतर कहीं न कहीं इतनी समझ अवश्य होती है कि हम अपने व्यवहार के परिणामों को पहचान सकें। हमारा अंतरमन की आवाज़ कई बार हमें संकेत देती है कि जो काम हमें अपने लिए अभी किसी आवेशवश उचित लग रहा है, यदि वही काम हमारा पड़ोसी या कोई दूसरा व्यक्ति बार-बार करने लगे, तो शायद हमारा अपना जीवन मुश्किल हो जाएगा।

फिर भी, जब हम अपनी इच्छाओं और सुविधाओं में बहुत अधिक उलझ जाते हैं, तो इस बात पर विचार करना छोड़ देते हैं। हर व्यक्ति को लगता है कि वह जो कर रहा है, सही ही कर रहा है। लेकिन जब यही सोच बड़े स्तर पर फैलती है, तो परिवार, समाज, राज्य और देश के सामने ऐसी परिस्थितियां पैदा होने लगती हैं, जहां हर व्यक्ति सुख और शांति चाहता है, लेकिन उसके अपने काम कई बार दुख, अशांति और असंतोष को बढ़ावा दे रहे होते हैं। यही बेहोशी में जीवन जीना है। इसका अर्थ यह नहीं कि हम सो रहे हैं, बल्कि यह है कि हम अपने विचारों, भावनाओं और निर्णयों को समझने की योग्यता खो देते हैं। हम कुछ ऐसा करने लग जाते हैं, जो कुछ समय बाद हमें ही गलत लगने लगता है, हम इतने दूरदर्शी नहीं बन पाते कि अपने आज के व्यवहार को भविष्य के परिणामों के साथ जोड़कर देख सकें।

विशेष गहन पुनरीक्षण क्यों ?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net



शिव प्रकाश
राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री भाजपा
@jagrukjanta.net

भारतीय संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित 'हम भारत के लोग' अपने संविधान को आत्मर्पित करते हैं। भारत में जन्मे भारत की एकता, अखंडता के प्रति निष्ठा एवं भारतीय संविधान में आस्था रखने वाले नागरिकों से ही 'हम भारत के लोग' का तात्पर्य है। चुनाव, प्रतिनिधित्व, नागरिक अधिकार और कानून का शासन लोकतंत्र का आधार है। भारत के प्रति समर्पित वयस्क नागरिकों को ही भारत में सरकारें चुनने का अधिकार है। चुनाव के माध्यम से भारत में राज्य और केंद्र की सरकार को चुनने का अधिकार विदेशी घुसपैठियों को देना कैसे संभव हो सकता है। इसी कारण संविधान में मतदाता शुद्धिकरण की व्यवस्था है। भारतीय संविधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 धारा 21(3) के अंतर्गत मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का अधिकार चुनाव आयोग को देता है। इसके अंतर्गत 13 बार मतदाता सूची के निरीक्षण का कार्य अभी तक चुनाव आयोग द्वारा किया गया है। यह प्रक्रिया 1952-56, 1957, 1961, 1965, 1966, 1983-84, 1987-89, 1992, 1993, 1995, 2002, 2003 और 2004 में हुई है। 2025 में बिहार प्रदेश से प्रारंभ यह 14वां एसआईआर है। साल 2004 से 22 वर्षों के मध्य यह प्रक्रिया पहले ही पूर्ण होनी चाहिए थी, जो कि नहीं हुई थी। वर्तमान में एसआईआर के विरोध में आवाज उठाने वाले दलों की केंद्र एवं राज्यों में सरकारें रहते हुए भी अनेक बार मतदाता शुद्धिकरण की यह प्रक्रिया हुई है। संविधान का अनुच्छेद 326 मताधिकार को केवल भारत के नागरिक तक सीमित करता है, और अनुच्छेद 324 निर्वाचक नामावली की तैयारी तथा उसकी शुद्धता का दायित्व निर्वाचन आयोग को सौंपता है; यही मतदाता शुद्धिकरण की संवैधानिक व्यवस्था है। प्रत्येक वैध भारतीय नागरिक को अपने मतदान का अधिकार मिले, एक मतदाता एक ही स्थान पर अपने मत का उपयोग करे, अवैध अथवा अनैतिक पद्धति से प्रवेश किये लोगों को भारत में सरकारें चुनने का अधिकार प्राप्त न हो इस उद्देश्य से संविधान के अंतर्गत धारा 324,325, 326 का प्रावधान किया गया है । जो मतदाता सूची के निर्माण, संशोधन एवं वयस्क मताधिकार की व्यवस्था करता है।

आजीविका के उद्देश्य से अनेक नागरिक अपने स्थान से दूसरे स्थान के लिए परिवर्जन करते हैं। जिसके कारण पूर्व स्थान पर मत रहने के उपरांत भी वह दूसरे स्थान पर अपना मत बनवाते हैं। साल 2011 की जनगणना के आंकड़े बताते हैं कि लगभग 45 करोड़ लोगों ने देश में ही आन्तरिक प्रवास किया। आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17 के अनुसार 2001-2011 के मध्य प्रतिवर्ष औसत 50 से 65 लाख लोगों ने इधर- उधर प्रवास किया है। एसआईआर के अंतर्गत बिहार प्रदेश में 7.01 लाख नाम दो स्थानों पर मतदाता थे। यह स्थिति देश के अन्य राज्यों में भी है। देश के कुल मतदाताओं में एसआईआर होने के उपरांत कुल 13.30 करोड़ में से लगभग 2 करोड़ 80 लाख मृतक नाम मतदाता सूची में पाए गए है । 6.30 करोड़ ने अपना स्थान परिवर्तन कर दूसरे स्थान पर मतदाता सूची में नाम जुड़वा लिया था। तीन करोड़ मतदाताओं के बारे में जानकारी ही नहीं मिली है। यह वही मतदाता है जो भारत में वैध नागरिक न होते हुए भी भारत की सरकार को चुनने का कार्य कर रहे थे। 1.02 लाख मतदाताओं का नाम दो बार मतदाता सूची में था। सेना के सेवानिवृत्त जनरल एसके सिन्हा ने असम के राज्यपाल रहते हुए आठ नवंबर 1998 को राष्ट्रपति को सौंपी अपनी रिपोर्ट में राज्य में अवैध घुसपैठ से पैदा हो रहे खतरे के प्रति आगाह किया था। केवल असम में ही उनके अनुमान अनुसार 60 लाख घुसपैठिए थे। उन्होंने घुसपैठ एवं उग्रवाद का परस्पर संबंध तथा सीमा पर जनसांख्यिकी परिवर्तन का वर्णन करते हुए उसे राष्ट्रीय सुरक्षा एवं लोकतंत्र के लिए खतरा बताया था। साल 2016 में गृह राज्य मंत्री रहते समय किरेन रिजिजू ने संसद में जानकारी देते हुए बताया था कि लगभग दो करोड़ से अधिक घुसपैठिऐं भारत में रह रहे हैं। अनुमान के अनुसार कुछ लोग इसको तीन करोड़ तक की संख्या बताते हैं। पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा विजय के पश्चात बांग्लादेशी घुसपैठियों ने स्वतः ही बांग्लादेश को पलायन किया था। उत्तर 24 परगना के हकीमपुर बॉर्डर पर जाते हुए इन घुसपैठियों ने मीडिया से स्वीकार किया था कि उनके बिचौलियों एवं सत्तालोलुप नेताओं द्वारा अवैध मतदाता पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं राशन कार्ड बनवाए गए थे। कलकत्ता एवं गुवाहाटी उच्च न्यायालयों में भी यह तथ्य आ चुके हैं। रोजगार के लिए परिवर्जन किए हुए मतदाता तो किसी भी पार्टी को अपने मत देने के लिए स्वतंत्र है। मृतक मत दे नहीं सकते हैं। विपक्ष द्वारा एसआईआर का विरोध अवैध घुसपैठियों के समर्थन के लिए ही है ऐसा लगता है। क्योंकि यही उनके थोक मतदाता थे।

ओपिनियन

मुफ्त राशन योजना पर पुनर्विचार की जरूरत क्यों?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net



निखलेश शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

वर्ष 2027-28 का केंद्रीय बजट पेश होने में तीन महीने से भी कम समय बचा है। बजट को लेकर अंतर-मंत्रालयी परामर्श और उद्योग जगत, व्यापार जगत और किसान प्रतिनिधियों के साथ चर्चा भी शुरू हो गई है या होने वाली है। ऐसे में आने वाले बजट से उम्मीदें पहले ही काफी जोर पकड़ चुकी हैं। ऐसा केवल इसलिए नहीं है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) हटाने की मांग की है बल्कि इसलिए भी कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सावधानी भरा बयान देते हुए कहा है कि सरकार विदेशी निवेश को टिकाऊ बनाने की चिंताओं से अवगत है और इसे लेकर बाजार की चिंताओं से भी।

शेयर बाजार ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। बाजार को उम्मीद है कि 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट में परिसंपत्तियों से होने वाले एलटीसीजी पर कर व्यवस्था में संशोधन किया जाएगा। वहीं सरकारी अधिकारी ऐसे बयान दे रहे हैं, जिनमें और अधिक सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है। इन बयानों ने भी आगामी बजट से उम्मीदें बढ़ा दी हैं। पिछले सप्ताह मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने एक महत्त्वपूर्ण संबोधन में मौजूदा चुनौतियों के बीच भारत के आर्थिक नीति-निर्माताओं के सामने मौजूद आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को रेखांकित किया।

उनके संबोधन की सुर्खियां वर्ष 2026 की मौजूदा आर्थिक चुनौतियों की तुलना उन चुनौतियों से करने पर केंद्रित रहीं जिनका सामना भारत ने 1991 में किया था। उस समय भी संरचनात्मक और बाहरी चुनौतियां उतनी ही गंभीर थीं जितनी आज हैं। सीईए ने जो नीतिगत सुझाव दिए, विशेष रूप से देश की आर्थिक वृद्धि और औद्योगिक रणनीतियों पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत से जुड़े सुझाव, वे गंभीरता से विचार किए जाने योग्य हैं। आयात प्रतिस्थापन यानी आयात पर निर्भरता घटाने, घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने और निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लक्ष्यों को एक साथ हासिल करने के लिए नीतिगत दृष्टिकोण पर नए सिरे से विचार करना होगा। नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा के हालिया बयानों ने शहरी प्रशासन व्यवस्था में व्यापक बदलाव की उम्मीदें जगाई हैं। इनमें शहरी स्थानीय शासन निकायों को अधिक अधिकार देना, पांच साल के कार्यकाल वाले महापौरों का प्रत्यक्ष चुनाव, शहरी स्थानीय निकायों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता देना और शहरों एवं कस्बों में एकीकृत भूमि उपयोग नियोजन लागू करना शामिल है। पिछले कई वर्षों से केंद्रीय बजट केवल राजकोषीय मामलों तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि इसमें सरकार की समग्र विकास नीतियों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की जाती रही है।

गौबा का यह कहना कि शहरों का प्रभावी संचालन राज्यों की राजधानियों से नहीं किया जा सकता, आवश्यक प्रशासनिक सुधारों की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। शहरों की स्थानीय विकास संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए शहरी निकायों को पर्याप्त अधिकार, संसाधन और संस्थागत क्षमता उपलब्ध करानी होगी। आगामी केंद्रीय बजट एक ऐसा खाका तैयार कर सकता है, जिससे 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत सूचीबद्ध सभी 18 कार्य शहरी स्थानीय निकायों को सौंपे जा सकें। राज्यों को इस बात के लिए प्रेरित किया जा सकता है कि वे शहरी स्थानीय निकायों को मास्टर प्लान तैयार करने, जलापूर्ति, अग्निशमन सेवाओं और यातायात प्रबंधन जैसे मामलों पर निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाएं। इन कार्यों पर फिलहाल अधिकांश राज्य सरकारों का नियंत्रण है। शासन व्यवस्था से आगे बढ़कर एक ऐसा महत्त्वपूर्ण मुद्दा भी है जिस पर केंद्रीय बजट में सरकार की राजकोषीय स्थिति को मजबूत करने के लिए ध्यान देना चाहिए। यह सुधार खाद्य सब्सिडी के क्षेत्र में किया जाना चाहिए। इसकी आवश्यकता अक्टूबर में जारी विश्व बैंक की एक रिपोर्ट से सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार 2011 से 2023 के बीच निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए निर्धारित मानक (प्रतिदिन 4.2 डॉलर का उपभोग) के आधार पर गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले भारतीयों की आबादी का अनुपात 57.7 फीसदी से घटकर 16.1 फीसदी रह गया। विश्व बैंक की रिपोर्ट में एक अन्य आंकड़ा भी दिया गया है, जिसके मुताबिक इसी अवधि में भारत में अत्यधिक गरीबी (निम्न आय वाले देशों के लिए निर्धारित प्रतिदिन 3 डॉलर के उपभोग के आधार पर मापी गई) 27.1 फीसदी से घटकर 2.6फीसदी रह गई। मगर भारत में गरीबी के आकलन के लिए प्रासंगिक आंकड़ा वह है जो देश की कुल आबादी में गरीब लोगों की हिस्सेदारी घटकर 16.1 फीसदी रह जाने को दर्शाता है। भारत जैसे निम्न-मध्य आय वाले देश में गरीबी के स्तर को मापने के लिए प्रतिदिन 4.2 डॉलर के उपभोग का मानक ही उपयुक्त पैमाना है। गरीबी के स्तर में आई इस गिरावट के कारणों और भारत में असमानता के स्तर पर इसके प्रभाव को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। गरीबी में आई इस कमी से एक और नीतिगत बहस शुरू होनी चाहिए। यह बहस उस योजना को लेकर है जिसके तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। 2011 में जब विश्व बैंक के अनुसार भारत में गरीबी का स्तर 57.7 फीसदी था, तब देश में मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने की कोई योजना नहीं थी। कोविड महामारी के मद्देनजर मार्च 2020 में मुफ्त खाद्यान्न योजना शुरू की गई थी। जनवरी 2023 में इसमें मामूली बदलाव करते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आने वाले सभी लाभार्थियों को 12 महीने की अवधि के लिए इसके दायरे में शामिल कर लिया गया जबकि उस समय तक कोविड का खतरा समाप्त हो चुका था। इसके बाद जनवरी 2024 से कुछ सप्ताह पहले घोषणा की गई कि मुफ्त खाद्यान्न योजना अगले पांच वर्षों तक जारी रहेगी। इस तरह भारत की कुल आबादी के 57 फीसदी से अधिक हिस्से को मुफ्त खाद्यान्न मिलने लगा जबकि देश में गरीबी की दर महज 16 फीसदी है। केंद्र सरकार के लिए, मुफ्त अनाज योजना का खर्च काफी अधिक है। खाद्य सब्सिडी का अनुमान हर साल 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, जो सरकार के कुल वार्षिक व्यय का चार फीसदी से भी ज्यादा है। खाद्य सब्सिडी पूरी तरह समाप्त नहीं की जा सकती। लेकिन यदि मुफ्त खाद्यान्न योजना का लाभ केवल गरीबों तक सीमित कर दिया जाए तो इस पर होने वाले खर्च में काफी कमी लाई जा सकती है।

पंचांग





ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 11/11/2026

सूर्योदय : 06:27 **सूर्यास्त :** 17:28 **चन्द्रोदय :** 08:06 **चन्द्रास्त :** 18:53 **शक सम्वत :** 1948 पराभव **विक्रम संवत् :** 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना :** कार्तिक **पूर्णिमांत :** कार्तिक **सूर्य राशि :** तुला **चन्द्र राशि :** वृश्चिक **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** द्वितीया, 15:56 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** हेमंत **द्रिक-वैदिक अयन :** दक्षिणायन **कलियुग :** 5127 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : अनुराधा, 11:32 तक
योग : अतिगंदा, 27:38 तक
प्रथम करण : कौवाला, 15:56 तक
द्वितीय करण : तैतिल, 28:59 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:55 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:21 ए एम से
विजय मुहूर्त	01:53 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:29 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:29 पी एम से
अमृत काल	4:32 ए एम, नवम्बर 12 से
निशिता मुहूर्त	11:39 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	06:40 ए एम से
अमृत सिद्धि योग	06:40 ए एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : सूर्य
अग्निवास : पृथ्वी

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:26 - 07:48	उद्वेग	: 17:27 - 19:05
अमृत	: 07:48 - 09:11	शुभ	: 19:05 - 20:42
काल काल वेला	: 09:11 - 10:34	अमृत	: 20:42 - 22:19
शुभ	: 10:34 - 11:57	चर	: 22:19 - 23:57
रोग वार वेला	: 11:57 - 13:19	रोग	: 23:57 - 01:34
उद्वेग	: 13:19 - 14:42	काल	: 01:34 - 03:12
चर	: 14:42 - 16:05	लाभ	: 03:12 - 04:49
लाभ	: 16:05 - 17:27	उद्वेग	: 04:49 - 06:26

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।

आज द्वितीया

आज कौन सा कार्य करें

द्वितीया को राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

कार्तिक, शुक्ल, द्वितीया, 2083 बुधवार, 11 नवम्बर - 17 नवम्बर, 2026

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

आपको अचानक धन की आवश्यकता पड़ सकती है। इसके लिये आपको अपने मित्रों से सहायता लेनी पड़ सकती है। अधिकारी वर्ग का आप पर विश्वास कुछ कम हो सकता है।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

आपके मधुर व्यवहार से सभी लोग अत्यन्त प्रसन्न रहेंगे। सन्तान पक्ष को करियर और विवाह सम्बन्धी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। गूढ़ विषयों के अध्ययन में आपकी रुचि काफी बढ़ेगी।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

मौसम में बदलाव आपके स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। जीवनसाथी के साथ समय अवश्य बितायें, इससे आपको लाभ मिलेगा। अपना कोई भी कार्य दूसरों के भरोसे बिल्कुल न छोड़ें।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

आय के नये स्रोतों में वृद्धि होने से आर्थिक स्थिति सुधरेगी। स्वास्थ्य को लेकर आप काफी सचेत और संवेदनशील रहेंगे। आज सभी परिस्थितियाँ पूरी तरह आपके अनुकूल रहेंगी।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे

पुरुष जातक महिला मित्रों की तरफ आकर्षित हो सकते हैं। विधिक और कानूनी मामलों में कुछ उलझनों का सामना करना पड़ेगा। बातचीत करते समय अपनी वाणी की मर्यादा का ध्यान रखें।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारी आपसे बेहद प्रसन्न रहेंगे। व्यापार में धन लाभ हो सकता है। परिजनों को आज कोई उपहार देने का विचार बनेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

बनायी हुयी कोई महत्त्वपूर्ण योजना असफल हो सकती है। इसीलिये आज आपको अपने हर कार्य में विशेष सावधानी रखनी चाहिये। मौसम के कारण गले में संक्रमण होने की आशंका है।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

आपकी कोई लम्बे समय से रुकी हुयी मनोकामना पूर्ण हो सकती है। करियर में आगे बढ़ने के बेहतरीन और सुनहरे अवसर मिलेंगे। पारिवारिक सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य बहुत अच्छा रहेगा।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

प्रशासन से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। कार्यालय के कर्मचारी काम से प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में नये अनुबन्ध होने की सम्भावना है। घरेलू विवादों को शान्ति से सुलझाने का प्रयास करें।

मकर भो, जा,जी, खी, खू, गा, गी,

समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि होगी। कानूनी मामलों में आपको विजय मिलने के प्रबल योग हैं। व्यवसाय के उद्देश्य से आपको अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

व्यवसाय में आपको धन हानि का सामना करना पड़ सकता है। कोई नया काम शुरू करने में आपको कठिनायी आयेगी। घर-परिवार का वातावरण थोड़ा अशान्ति युक्त रह सकता है।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आपकी दैनिक आय में निश्चित रूप से वृद्धि होगी। लम्बे समय से रुके हुये कार्यों की सभी बाधायें दूर हो जायेंगी।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर





स्नेह मिलन में मुख्यमंत्री ने की आमजन से रामा-श्यामा

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित स्नेह मिलन समारोह में आमजन से दिवाली की रामा-श्यामा की। इस दौरान उन्होंने आत्मीय मुलाकात करते हुए उपस्थित लोगों को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं। समारोह में जनप्रतिनिधि, सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना जरूरी-प्रशांत अग्रवाल

उदयपुर @ जागरूक जनता। नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने सेवातीर्थ स्थित वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी में आयोजित 'अपनों से अपनी बात' कथा में राजा जनक और महर्षि अष्टावक्र के प्रसंगों के माध्यम से ज्ञान, वैराग्य, धैर्य और संयम का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि वास्तविक ज्ञान केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि उसका प्रभाव व्यक्ति के विचारों और व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। उन्होंने बताया कि राजा जनक की सभा में पहुंचे बालक अष्टावक्र की शारीरिक बनावट के कारण कुछ विद्वानों ने हंसी उड़ाई। इस पर अष्टावक्र ने कहा कि व्यक्ति की पहचान उसके शरीर से नहीं, ज्ञान और विचारों से होती है। उनके तर्क और विद्वत्ता से प्रभावित होकर राजा जनक ने उन्हें सम्मान दिया। अष्टावक्र ने शास्त्रार्थ में बंदी को पराजित कर अपने पिता कहोड़ सहित अन्य ऋषियों को मुक्त कराया।

दीपावली पर 17 शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार, ध्वनि प्रदूषण भी कम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के प्रति प्रतिबद्धता के तहत राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा दीपावली के अवसर पर प्रदेशभर में परिवेशी वायु गुणवत्ता एवं ध्वनि प्रदूषण की व्यापक निगरानी की गई। मंडल द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार दीपावली के दिन गत वर्ष की तुलना में प्रदेश के 34 शहरों में से 17 शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) में कमी दर्ज की गई। वहीं, ध्वनि प्रदूषण के स्तर में भी प्रदेश के अनेक शहरों में सकारात्मक सुधार देखने को मिला।

प्रदेश के 37 जिलों में 50 केंद्रों के माध्यम से 24 घंटे वायु गुणवत्ता की निगरानी

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा प्रदेश के 37 जिलों में 50 स्थानों पर स्थापित सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों के माध्यम से 24×7 वायु गुणवत्ता पर नजर रखी जा रही है। इसी के साथ दीपावली के दिन 8 नवंबर, 2026 को दर्ज आंकड़ों के अनुसार दौसा में प्रदेश का न्यूनतम AQI 124 तथा खैरथल में अधिकतम AQI 362 दर्ज किया गया। वहीं गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष दीपावली पर 34 शहरों में से 17 शहरों में AQI का स्तर कम रहा। दौसा में सर्वाधिक 44.4 प्रतिशत तथा भीलवाड़ा में 43.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

ध्वनि प्रदूषण में कमी के सकारात्मक संकेत, बांसवाड़ा रहा अग्रणी

मंडल द्वारा प्रदेश के 25 जिलों में 58 स्थानों पर दीपावली से सात दिन पूर्व तथा दीपावली के दिन ध्वनि प्रदूषण के स्तर की तुलनात्मक जांच की गई। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 12 शहरों में दिन के समय तथा 13 शहरों में रात के समय ध्वनि प्रदूषण में कमी दर्ज की गई। इसमें बांसवाड़ा ने उल्लेखनीय सुधार दर्ज करते हुए दिन के समय ध्वनि प्रदूषण में 25.4 प्रतिशत तथा रात के समय 38.6 प्रतिशत की कमी दर्ज की। यह ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। आंकड़ों के अनुसार कुछ शहरों में ध्वनि प्रदूषण के स्तर में वृद्धि भी दर्ज की गई। दिन के समय झुंझुनूं में 16.6 प्रतिशत तथा रात के समय भिवाड़ी में 8. 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

जयपुर में भी ध्वनि स्तर में सुधार दर्ज

जयपुर शहर के आठ स्थानों पर किए गए तुलनात्मक अध्ययन में राजा पार्क क्षेत्र में दिन के समय ध्वनि प्रदूषण के स्तर में सर्वाधिक 14.3 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। इसी प्रकार मानसरोवर क्षेत्र में रात के समय 3.7 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई। जयपुर में दिन के समय ध्वनि प्रदूषण के स्तर में सीतापुरा एवं मानसरोवर में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि रात के समय सीतापुरा में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि रही। शहर में दिन के समय अधिकतम ध्वनि स्तर मानसरोवर में 86.6 dB(A) तथा रात के समय राजा पार्क में 91.4 dB(A) दर्ज किया गया। मंडल का उद्देश्य प्रदूषण की स्थिति का वैज्ञानिक आकलन करते हुए प्रभावी नियंत्रण उपायों को प्रोत्साहित करना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक की उपस्थित में ईवीएम की हुई कमिशनिंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net



जयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव के चतुर्थ चरण के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, सीकर रोड, जयपुर परिसर का दौरा कर मतदान दलों की रवानगी एवं अंतिम प्रशिक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान दलों की रवानगी समयबद्ध रूप से पूरी की जाए एवं निर्वाचन सामग्री का वितरण व्यवस्थित ढंग से हो तथा मतदान कार्मिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने बताया कि चतुर्थ चरण में जिला परिषद् के 13 वार्ड (वार्ड संख्या 38 से 50) तथा बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी पंचायत समितियों के 82 पंचायत समिति वार्ड एवं 140 ग्राम पंचायतों के 446 मतदान केंद्रों के लिए मतदान दल 13 नवंबर को अंतिम प्रशिक्षण के बाद इसी परिसर से रवाना होंगे। जिला परिषद् एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए मतदान 14 नवंबर को एवं पंच एवं सरपंच पदों के लिए 15 नवंबर को प्रातः 8 बजे से पूर्वाह्न 11 बजे तक नामांकन होंगे तथा 16 नवंबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा तथा 17 नवंबर को उपसरपंच का चुनाव संपन्न होगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार को उक्त चारों पंचायत समितियों के लिए होने वाले मतदान में प्रयुक्त होने वाली ईवीएम की कमिशनिंग का कार्य संपन्न कराया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि मतदान दलों को ईवीएम, बैलेट पेपर एवं अन्य निर्वाचन सामग्री की पूरी जाँच कर रवाना किया जाए, ताकि मतदान प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज सिंह मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ आशीष कुमार, एसडीएम बस्सी दीपक खटाणा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रकृति का संरक्षण ही वास्तविक दीपावली गोवर्धन पूजन-मिश्र

जयपुर @ जागरूक जनता। गौमाता सेवक समिति परिवार एवं सभी गौसेवकों गौभक्तों ने दीपावली महापर्व गोवर्धन पूजन पर 66 वां गोसेवा महामहोत्सव श्री श्री 1008 जयरामपुरी बाबा गौधाम (गौशाला) बड़ी डूंगरी जयपुर में गोवर्धनधारी भगवान श्रीकृष्ण गौमाता संकीर्तन एवं भजनों के साथ शास्त्रोक्त गोवर्धन पूजन गौमाता पूजन सैंकड़ों गोभक्तो गोसेवकों एवं श्रद्धालुओं के साथ अपार हर्षोल्लास से पुष्पाभिषेक करते हुए दीपावली की रामा श्यामा राम राम करते हुए मनाया गया। शुरुआत में गोपुत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने साक्षात देव सूर्य देव की साक्षी में भगवान् श्री गणेश पूजन गोवर्धनधारी भगवान श्रीकृष्ण पूजन, वेदलक्षणा गौमाता पूजन, कन्या पूजन, सर्वपितृ तर्पण अर्पण पूजन, सरकार से गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने, गौरक्षा, कन्या रक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण विश्व शांति के लिए सामुहिक भगवान गोवर्धन का पुष्पाभिषेक पूजन के साथ सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ दिव्य वेदलक्षणा गोमाता कृपा आरती के बाद गौधाम के नियमित एवं नये जुड़े गौसेवकों को दुपट्टा, दक्षिणा प्रदान कर अभिनंदन सम्मान किया गया।

आओ हम सब लें एक संकल्प, स्वच्छता से गौ माता का करें संरक्षण

गौ माता को राष्ट्र पशु घोषित किया जाए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भारत में गाय को माता का दर्जा दिया गया है, उसकी पूजा की जाती है, वो एक अबोल प्राणी है तथा अपने मन की व्यथा किसी को नहीं बता सकती। इसलिए गाय माता पत्थर के पास जाकर बोलती है कि... हे पत्थर तुझे भगवान बनाकर पूजा जाता है, लेकिन यही पत्थर मुझ पर फैंका जाता है, ये कहां का न्याय है? नम्र निवेदन है कि... कोई उन पर तेजाब नहीं फेंके, पत्थर, लकड़ी, कुल्हाड़ी आदि किसी भी प्रकार के हथियारों से वार नहीं करें तथा सड़कों पर खुला नहीं छोड़े, जिससे गायें दुर्घटनाग्रस्त नहीं होंगी। इसी फलस्वरूप गौवंश को शारीरिक पीड़ा नहीं भोगनी पड़ेगी तथा गायों का जंगल में पर्यावरणीय भोजन हरी घास इत्यादि मिल सकेगा।

इसके कारण गाय को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखा जा सकेगा।

आओ संगठित होकर गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करवाने की मुहिम छेड़े। इन सब को करने में मानव जाति अपने कर्मों को सुधार सकती है, आज के समय में गौवंश को होने वाली पीड़ाओं में जाने-अनजाने किसी भी व्यक्ति द्वारा ठेस पहुंचाई जाती है तो सम्पूर्ण मानव जाति संगठित होकर ही गौवंश का संरक्षण कर सकती है।



श्रीमती गीता सुनील अग्रवाल
नगर पालिका पार्षद, वार्ड-17, होटल हील्लॉक माउण्ट (सहायक निदेशिका)
इनर व्हील क्लब, भारत-भारती जैसी विभिन्न संस्थाओं में पदोन्नति

दीपावली पर नगर परिषद की सजावट से जगमगाया शहर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net



चित्तौड़गढ़। दीपावली के पावन पर्व पर शहर रंग-बिरंगी रोशनी और भव्य सजावट से जगमगा उठा। सांसद सीपी जोशी एवं विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के निर्देश पर सभापति अनिल ईनाणी की पहल से शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक विद्युत सजावट से सजाया गया।

रोशनी से निखरे शहर ने दीपावली के उत्सवी उल्लास को विशेष बना दिया। शहरवासियों ने आकर्षक लाइटिंग के बीच परिवार सहित घूमने, तस्वीरें लेने और सेल्फी का आनंद उठाया। दीपावली सजावट के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब छाए रहे। दीपावली पर शहर को आकर्षक एवं यादगार स्वरूप देने के लिए सभापति ईनाणी के नेतृत्व में नगर परिषद ने विशेष सजावट की व्यवस्थाएं कीं। गंभीरी पुलिया के दोनों ओर, सेतु मार्ग, सुभाष चौक एवं गोल प्याऊ चौराहे सहित प्रमुख स्थानों पर रंग-बिरंगी विद्युत लाइटिंग, भव्य स्वागत द्वार एवं आकर्षक सजावटी संरचनाओं ने शहर की सुंदरता को नई पहचान दी। प्रमुख चौराहों से लेकर विभिन्न मार्गों तक रोशनी की आकर्षक छटा ने चित्तौड़गढ़ को उत्सवी माहौल में सराबोर कर दिया।

नगर परिषद की ओर से तैयार किए गए आकर्षक सेल्फी पॉइंट युवाओं, बच्चों एवं परिवारों की पसंद बने। शहरवासियों ने रोशनी से सजे स्थलों पर तस्वीरें लेकर दीपावली की खुशियों को यादगार बनाया।

आकर्षक सजावट के बीच सेल्फी लेने का उत्साह देखते ही बन रहा था। शहर की भव्य लाइटिंग के दृश्य सोशल मीडिया पर साझा होते ही चर्चा का विषय बन गए और चित्तौड़गढ़ की दीपावली सजावट ने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। सभापति ईनाणी ने कहा कि दीपावली प्रकाश, उल्लास और खुशियों का पर्व है। नगर परिषद का प्रयास है कि शहरवासियों को सुंदर, स्वच्छ एवं आकर्षक शहर के साथ दीपावली का यादगार अनुभव मिले। उन्होंने कहा कि शहर की सुंदरता बढ़ाने और नागरिकों को उत्सव के बेहतर माहौल उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सजावट की विशेष व्यवस्थाएं की गईं। नगर परिषद की इस पहल से इस बार शहर की दीपावली विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। प्रमुख मार्गों, पुलियाओं एवं चौराहों पर जगमगाती रोशनी ने शहर की खूबसूरती को नया आयाम दिया। शहरवासियों ने सजावट का आनंद लेते हुए नगर परिषद के प्रयासों की सराहना की।

झाड़ोली के पूर्व सरपंच जयसिंहजी चौहान का निधन

झाड़ोली / पिंडवाड़ा @ जागरूक जनता। पिंडवाड़ा तहसील की झाड़ोली ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच एवं क्षेत्र के लोकप्रिय, मिलनसार और समाजसेवी व्यक्तित्व श्री जयसिंहजी चौहान का 9 नवंबर को निधन हो गया। उनके देवलोकगमन से झाड़ोली सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शोक की लहर छा गई। उनके निधन को क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। स्वर्गीय जयसिंहजी चौहान ने अपने कार्यकाल के दौरान ग्राम पंचायत झाड़ोली के विकास एवं आमजन के हितों को सर्वोपरि रखते हुए पूरी निष्ठा से कार्य किया। उनका सरल स्वभाव, मृदुभाषी व्यवहार और सेवाभावी व्यक्तित्व लोगों के बीच विशेष पहचान रखता था। वे हर वर्ग के व्यक्ति के सुख-दुख में सहभागी बनकर खड़े रहते थे।जयसिंहजी चौहान की जनसेवा को क्षेत्रवासी विशेष रूप से याद कर रहे हैं। नोटबंदी के कठिन दौर और कोरोना महामारी के संकटपूर्ण समय में उन्होंने गरीब, जरूरतमंद एवं आमजन की भरपूर सहायता की थी। उस मुश्किल समय में जरूरतमंद लोगों के लिए उनकी मदद और सेवाभाव किसी संबल से कम नहीं था।





एसडीएम विश्नोई ने भील बस्ती में मनाई दीपावली

बालोतरा @ जागरूक जनता। दीपावली का पर्व खुशियां बांटने और जरूरतमंदों के जीवन में रोशनी लाने का संदेश देता है। इसी भावना के साथ धोरीमन्ना उपखंड अधिकारी बद्रीनारायण विश्नोई ने राजस्व गांव कन्हैयानगर और कातरला की भील बस्तियों में पहुंचकर भील समुदाय के परिवारों के साथ दीपावली मनाई। एसडीएम की इस पहल से बस्ती के लोगों में खासा उत्साह और खुशी देखने को मिली।













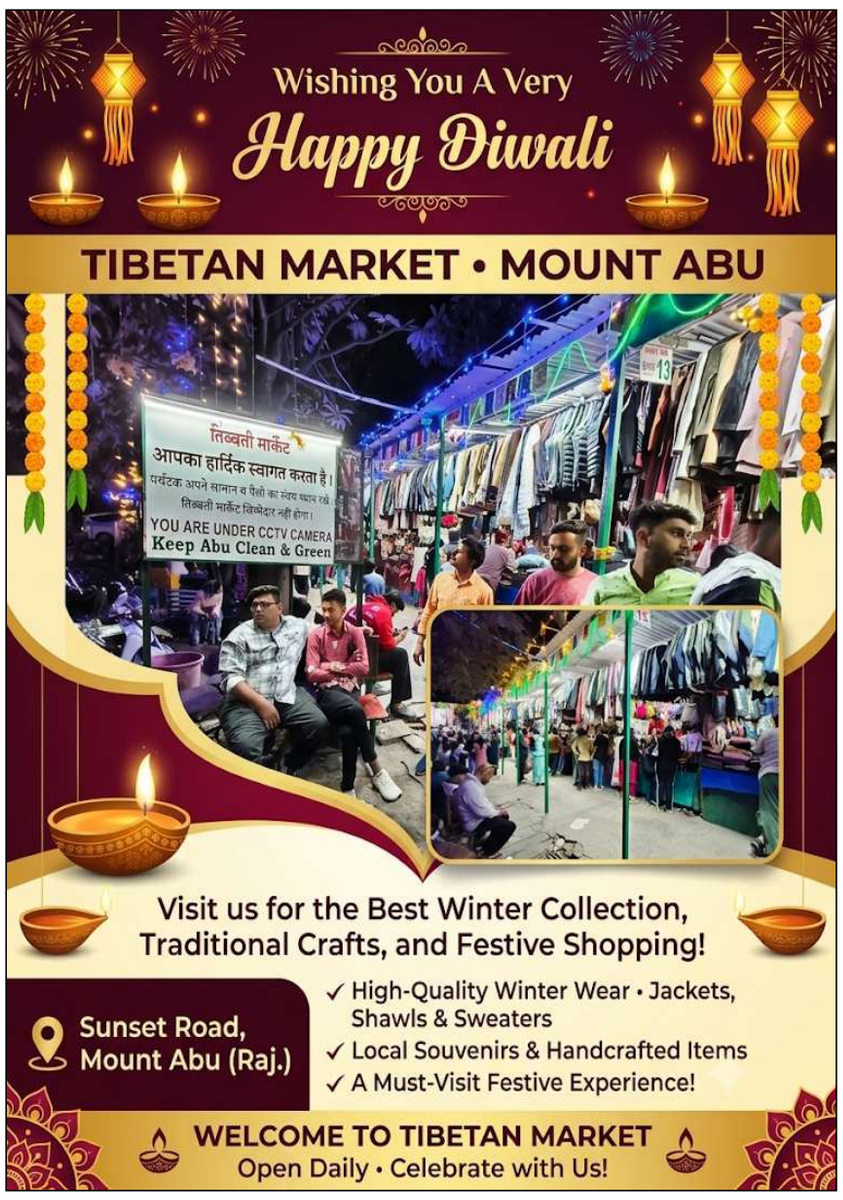












विधानसभा संग्रहालय में 3-डी वर्चुअल हेलीकॉप्टर अनुभव होगा विकसित-देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

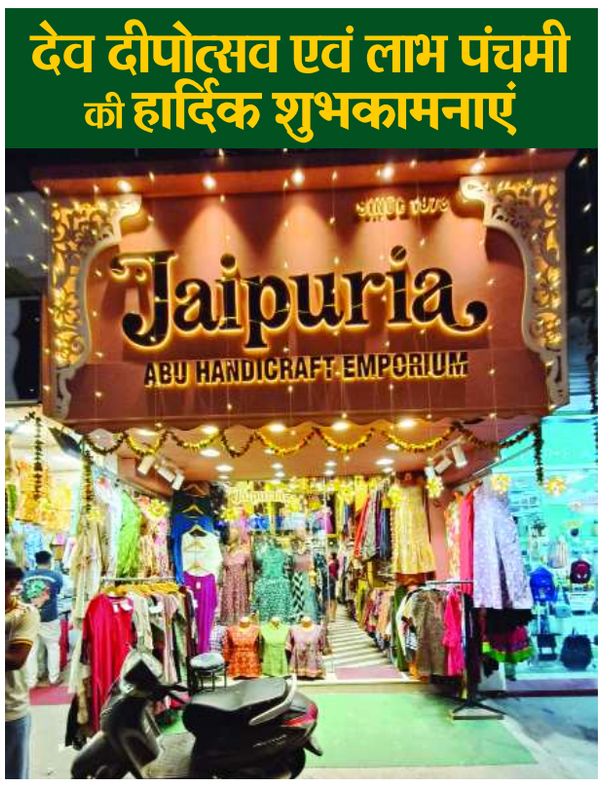
जोधपुर/जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को अपने संक्षिप्त जोधपुर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में गार्ड ऑफ हॉनर लिया तथा गणमान्यजनों से भेंट की। इस दौरान देवनानी ने मीडिया से संवाद के दौरान विधानसभा संग्रहालय में किए जा रहे नवाचारों, लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा संविधान की मजबूती सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

देवनानी ने विधानसभा संग्रहालय में विकसित की जा रही नई सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि संग्रहालय में पूर्व में संविधान गैलरी एवं वैधानिक माध्यम गैलरी विकसित की गई हैं। अब यहां अत्याधुनिक 3-डी वर्चुअल हेलीकॉप्टर अनुभव विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से दर्शक एक ही स्थान पर बैठे-बैठे देश के प्रमुख ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का आभासी भ्रमण कर सकेंगे। लगभग 15 से 20 मिनट के इस अनुभव के लिए निविदा प्रक्रिया लगभग पूर्ण हो चुकी है तथा आगामी 3 से 4 माह में इसे शुरू करने का लक्ष्य है।

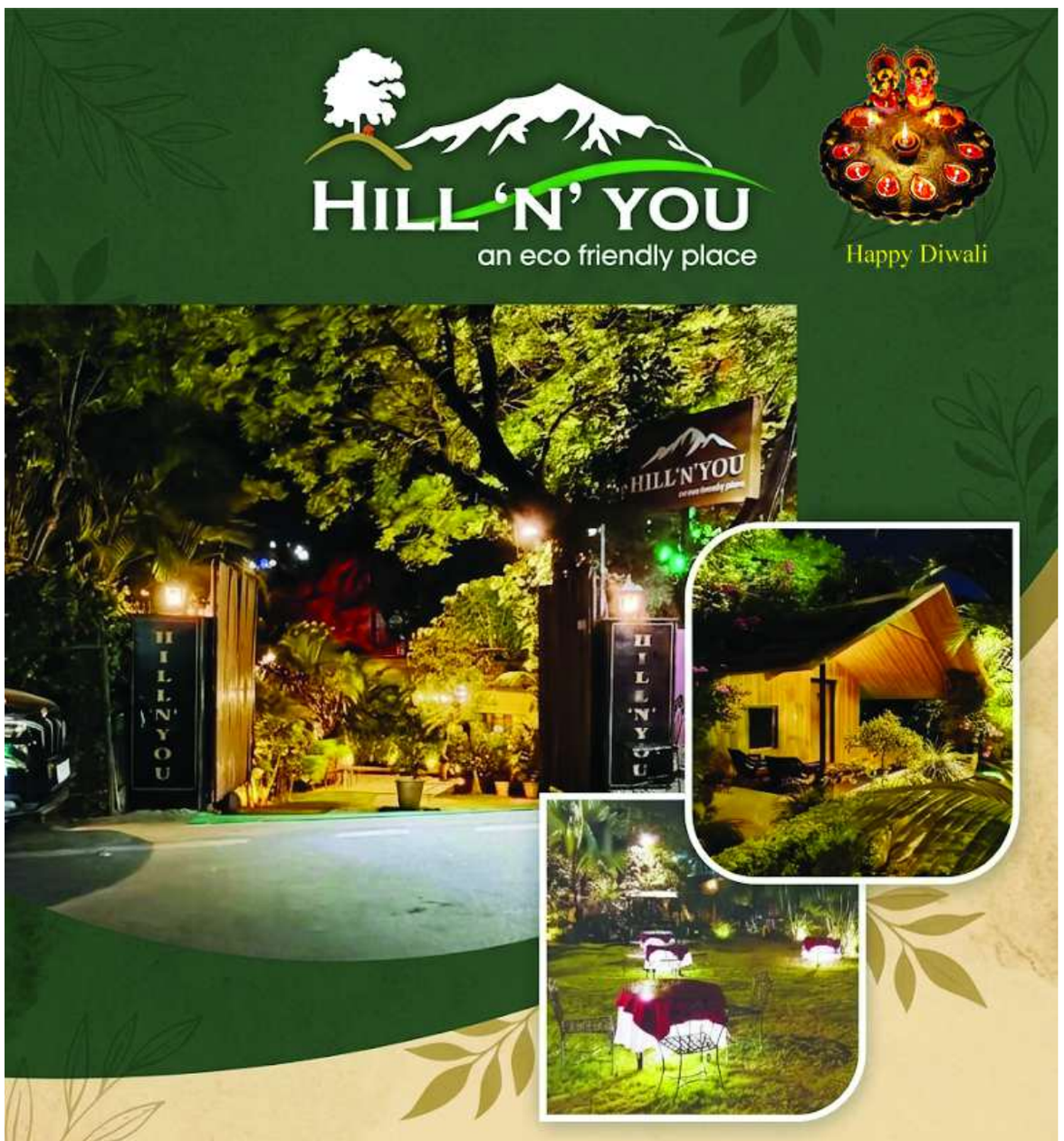
उन्होंने बताया कि विधानसभा संग्रहालय को जनदर्शन के लिए प्रारंभ किए जाने के बाद पिछले डेढ़ वर्ष में 55 हजार से अधिक लोग इसका अवलोकन कर चुके हैं। इनमें स्कूली एवं महाविद्यालयी विद्यार्थी, आरएएस परीक्षार्थी, चार्टर्ड अकाउंटेंट सहित विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा का दायित्व केवल कानून निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के साथ उसका जीवंत संवाद एवं जुड़ाव भी उतना ही आवश्यक है। देश के लोकतंत्र एवं युवा पीढ़ी की भूमिका पर उन्होंने कहा कि भारत का लोकतंत्र विश्व के सबसे मजबूत एवं स्थायी लोकतंत्रों में से एक है। देश का युवा एवं जेन-जी राष्ट्रवाद का समर्थक है। भारत में किसी भी प्रकार का परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से ही संभव है। हिंसा एवं अराजकता के लिए भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई स्थान नहीं है।









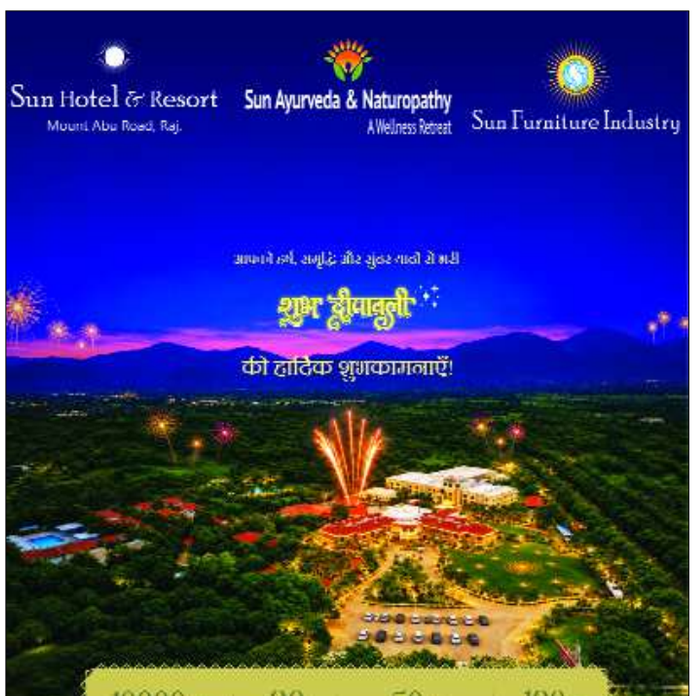




स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758 | डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26

Sun Hotel & Resort
Mount Abu Road, Raj.
Sun Ayurveda & Naturopathy
A Wellness Retreat
Sun Furniture Industry



Luxury Getaway | Destination Weddings | MICE & Events

MAKE EVERY STAY MORE EXCITING!

Discotheque | Club | Nature | Wellness | Adventure | Banquet Halls
Gym | Pool | Cafe | Bar | Conference Room | Ayurveda and Naturopathy

For Reservations Info :
74120 69559 • 74120 69556 • 74120 69555
reservation@sunhotelandresort.in | www.sunhotelandresort.com
SPL-7, Riico Growth Centre, Palanpur Highway, Mount Abu Road, Rajasthan.

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

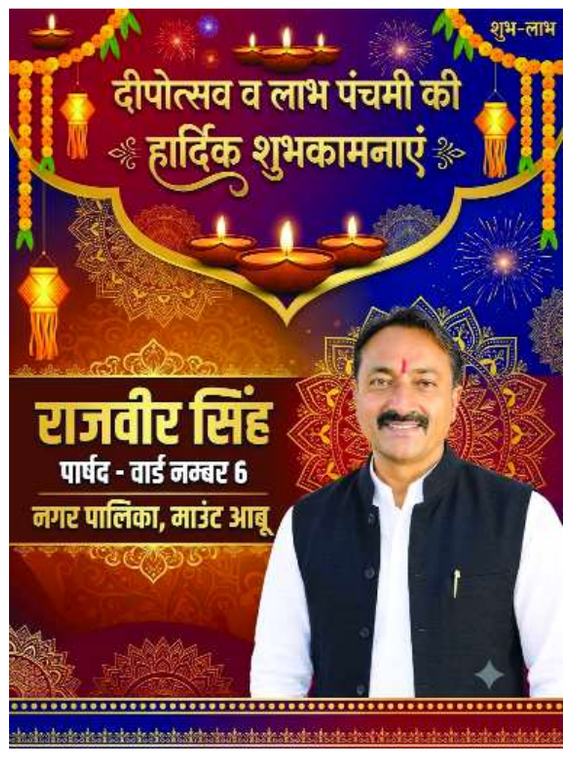
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

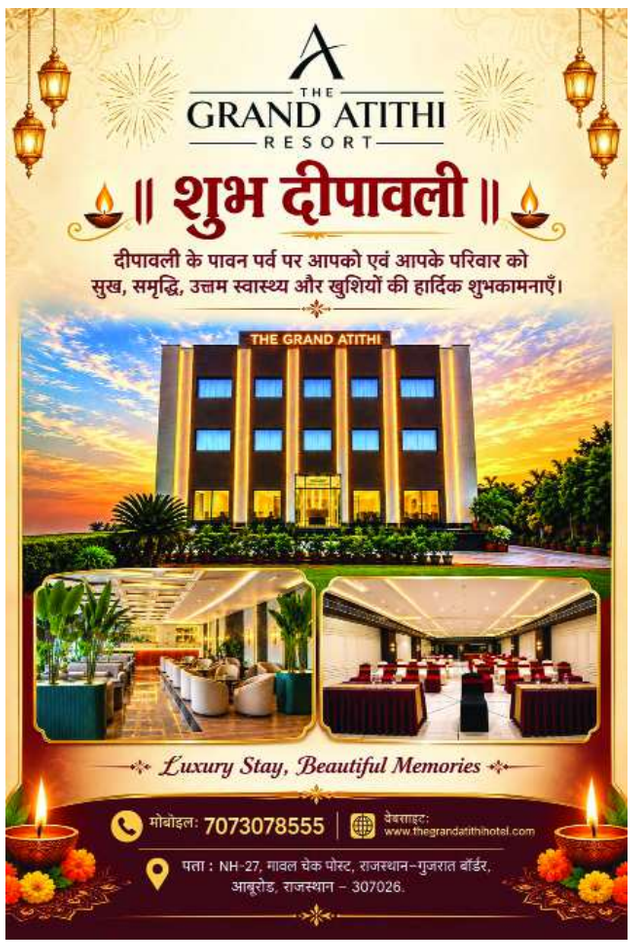
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in



दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं



नगेन्द्र वशिष्ठ
समाजसेवी
मो.- 94605 52570





प्रदेशवासियों को
दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं
चौधरी मावा
सिरोही

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?

देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...

Kabira®
Healthy Growth
Yellow Mustard Oil

Natural Immunity Booster | FORTIFIED WITH VITAMIN A & D3 | 100% VEG. | COLD PRESSED PROCESSING | KOSHER

Approved by : WHO GMP | India's Most Trusted Brand | one of the OLDEST OIL known to HUMAN

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।

- प्राचीन शीतल विधि घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधि उच्च ताप रहित।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।





Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमुखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-



For Arward Details : Contact 98290-50738

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)

In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019) *

#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

JKcement
JKsuper cement BUILD STRONG





पीपराली के नवनिर्वाचित सरपंच केवलचन्द जैन ने संभाला पदभार, ग्रामीणों को विकास की नई उम्मीद

गुड़ामालानी/पीपराली @ जागरूक जनता। ग्राम पंचायत पीपराली के नवनिर्वाचित सरपंच केवलचन्द जैन ने शनिवार को विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उपसरपंच, सभी वार्ड पंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। गौरतलब है कि सरपंच चुनाव में केवलचन्द जैन ने शानदार जीत दर्ज करते हुए कुल 618 वोट प्राप्त किए। वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी जेठाराम को 379 तथा शान्ति को 125 वोट मिले। केवलचन्द जैन ने जेठाराम को 239 मतों से पराजित कर सरपंच पद पर जीत हासिल की। पदभार ग्रहण के अवसर पर ग्रामीणों ने नवनिर्वाचित सरपंच को शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों को अब गांव में विकास कार्यों को गति मिलने, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार तथा आमजन की समस्याओं के समाधान की उम्मीद है।



संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा